कक्षा - XI (सत्र - 2)

विषय - हिंदी (ऐच्छिक) अंतरा भाग - 1

पाठ - 6, 'खानाबदोश' (गद्य खंड) - प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. जसदेव की पिटाई के बाद मजदूरों का समूचा दिन कैसे बीता ?

उत्तर - सूबेसिंह द्वारा जसदेव की पिटाई के बाद मजदूरों का समूचा दिन भय और दहशत में बीता। उस दिन की घटना से सारे मजदूर डर गए थे। उन्हें लग रहा था सूबेसिंह किसी भी वक्त लौटकर कुछ भी कर सकता है।

प्रश्न 2. 'ईंटों को जोड़कर बनाए चूल्हे में जलती लकड़ियों की चिट-पिट जैसे मन में पसरी दुश्चिंताओं और तकलीफों की प्रतिध्वनियाँ थी जहाँ सब कुछ अनिश्चित था' - यह वाक्य मानो की किस मनःस्थिति को उजागर करता है ?

उत्तर - यह वाक्य मानो के जीवन में अनिश्चितता, दुख - तकलीफों को व्यक्त करता है। अभी ये बातें उसके मन में घटित हो रही थी, आग बनकर बाहर नहीं आई थी।

प्रश्न 3. मानो अभी तक भट्ठे की जिंदगी से तालमेल क्यों नहीं बैठा पाई थी ?

उत्तर - मानो को भट्ठे की जिंदगी पसंद नहीं थी। वह अपने पति सुकिया के कारण ही वहाँ रह रही थी। भट्ठे पर साँप, बिच्छू और जंगली जानवरों का डर लगा रहता था। उसका इस माहौल में जी घबराता था।

प्रश्न 4. असगर ठेकेदार के साथ जसदेव को आता देखकर सूबेसिंह क्यों बिफर पड़ा, और जसदेव को मारने का क्या कारण था ?

उत्तर - सूबेसिंह भट्ठे के मालिक मुख्तार सिंह का बेटा है। असगर उनके भट्ठे पर मजदूरों का ठेकेदार था। सूबेसिंह भट्ठे पर काम करने वाली मजदूरनी 'किसनी' का दैहिक शोषण करता है। किसनी से मन भर जाने के बाद सूबेसिंह की नजर 'मानो' पर पड़ती है। अपनी कुत्सा को पूरा करने के लिए वह असगर ठेकेदार से कहता है कि 'मानो' को दफ्तर में बुलाकर लाओ। जब असगर ठेकेदार मानो को बुलाने जाता है तो वहीं बगल की झोपड़ी में रहने वाला जसदेव, मानो की जगह काम करने की बात कहता है। वह असगर ठेकेदार के साथ सूबेसिंह के पास पहुँचता है। उसे देखकर सूबेसिंह बिफर पड़ा। सूबेसिंह को लगा जसदेव उसकी मनमानी को रोकने का अर्थात् (मानो का दैहिक शोषण रोकने का) दुस्साहस कर रहा है। इसलिए वह जसदेव को मार-मार कर अधमरा कर देता है।

प्रश्न 5 - मानो किसनी क्यों नहीं बनना चाहती थी ?

उत्तर - सूबेसिंह किसनी का दैहिक शोषण करता है तथा किसनी के पति को नशे की

गर्त में धकेल देता है। समय बीतने के बाद वह किसनी को दूध में गिरी मक्खी की तरह निकाल बाहर करता है। यह सब मानो के सामने होता है। मानो अपना शोषण नहीं होने देना चाहती इसलिए वह किसनी नहीं बनना चाहती।

प्रश्न 6. 'खानाबदोश' कहानी में आज के समाज की किन-किन समस्याओं को रेखांकित किया गया है? इन समस्याओं के प्रति कहानीकार के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'खानाबदोश' कहानी में आज के समाज की निम्न समस्याओं को रेखांकित किया है-

(1) मजदूर वर्ग का सभी शोषण करते हैं.
(2) मजदूर अभी भी नारकीय जीवन जीते हैं.
(3) अभी भी समाज में जातिवादी मानसिकता हावी है.
(4) समाज में स्त्रियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है.

कहानीकार की श्रमिक वर्ग के प्रति सहानुभूति तो प्रकट हुई है, पर वह कोई तर्कपूर्ण समाधान प्रस्तुत नहीं कर पाया।

प्रश्न 7. 'चल'! ये लोग म्हारा घर ना बणने देंगे। - सुकिया के इस कथन के आधार पर कहानी की पूरी संवेदना स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - पूँजीपति वर्ग नहीं चाहता कि श्रमिक वर्ग सुख-चैन की जिंदगी जिए। वह उसे अपना मोहताज बनाए रखना चाहता है। पूरी कहानी में मानो और सुकिया अपने मकान के लिए प्रयास करते हैं और अंत में यही समृद्धय लोग उनके सपनों को चकनाचूर कर देते हैं। पूंजीपति वर्ग तो आलीशान महलों में रहते हैं लेकिन श्रमिक वर्ग के लिए झोपड़ी बनाने का सपना भी सपना बनकर रह जाता है. यही कहानी की मूल संवेदना है।

प्रश्न 8. 'अपने देश की सूखी रोटी भी परदेश के पकवानों से अच्छी होती है' - कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - इस कथन का आशय है कि अपना घर, अपना गाँव अच्छा होता है। बाहर की अच्छी चीजें भी अपनी स्वतंत्रता के सामने कोई महत्व नहीं रखती। परदेश में गुलामी है।

प्रश्न 9. ~~किस्की~~ किसनी के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया था?

उत्तर - किसनी अपने पति महेश की उपेक्षा करने लगी थी और सूबेसिंह के साथ रहती थी। अब वह हैंडपंप के नीचे खुले में बैठकर साबुन से रगड़-2 कर नहाती थी। ट्रांजिस्टर (रेडियो) पर फिल्मी गाने सुनती थी तथा अच्छे कपड़े पहनती थी।

नोट - सभी बच्चे उपर्युक्त प्रश्नोत्तर अपनी साफ कॉपी में लिखें एवं याद करें।